

युवाओं को काम की दुनिया से जुड़ने की जरूरत

माता-पिता और देखभाल करने वालों के लिए सूचना

छात्रों को नियोक्ताओं से काम, भुगतान वाले रोजगार और कार्यस्थल में मूल्यवान कौशल के बारे में सीखने के अवसरों की आवश्यकता होती है। यह सभी छात्रों पर लागू होता है, चाहे वे विश्वविद्यालय में सीधे प्रवेश मांग रहे हों, स्कूल छोड़ने पर आगे प्रशिक्षण लेने का इरादा रखते हों, या सीधे कार्यबल में जाने की योजना बना रहे हों।

काम की दुनिया से जुड़ने से युवाओं को यह समझने में मदद मिलती है कि वे स्कूल में क्या सीख रहे हैं, उनके क्षितिज को व्यापक बनाते हैं, उनकी आकांक्षाओं को बढ़ाते हैं, और उनके लिए खुली नौकरियों और करियर के रास्ते पर प्रकाश डालते हैं।

युवाओं को अवसर चाहिए ताकि वे:

- साबित करें कि वे विश्वसनीय हैं
- दिखा पाएँ कि वे जानते हैं कि काम कैसे करना है
- आत्मविश्वास बढ़ा सके
- कौशल विकसित कर सके।

युवाओं के लिए काम की दुनिया का अनुभव करने के अवसरों में शामिल हैं:

- अंशकालिक और आकस्मिक नौकरियां
- एक स्कूल कार्यक्रम के माध्यम से कार्यस्थल सीखने और कार्य अनुभव
- कार्य छायांकन
- स्वयंसेवा
- कार्यस्थल के दौरे
- कार्य परीक्षण और इंटर्नशिप
- स्पोर्ट्स क्लब
- उद्यमिता और 'स्टार्ट अप'।

यह अनुभव रोजगार को सुरक्षित और बनाए रखने और कार्यस्थल में प्रगति के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल का निर्माण करने में मदद करेगा।

निर्माण कार्य क्षमता

कार्य क्षमताएं कार्यस्थल में सबसे मूल्यवान, मान्यता प्राप्त और प्रशंसित व्यवहार या दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती हैं। नियोक्ता इस बात पर ज्यादा जोर दे रहे हैं कि कर्मचारियों के पास कार्य क्षमताएं होना और उन्हें प्रदर्शित करना अति आवश्यक है।

राष्ट्रीय कौशल आयोग द्वारा पहचाने गए आवश्यक रोजगार योग्यता कौशल में शामिल हैं:

- पारस्परिक और लोगों के सम्बंधित कौशल
- व्यवस्था और योजना कौशल
- विश्वसनीयता और प्रेरणा
- विकट परिस्थितियों के अनुसांगिक सोच और समस्या समाधान
- संचार और टीम वर्क कौशल
- अनुकूलनशीलता और लचीलापन
- डिजिटल साक्षरता